

निरोगी व सुदृढ तब्येतीसाठी आहाराचे सेवन करावे

चांगल्या तब्येतीसाठीचे काही सोपे उपाय



लोहाचे
व्यवस्थित प्रमाण
जेवणात असू दे



विटामीन-सी
युक्त भाज्या व
फळे खा



आर्यन व फॉलीक
एसिड गोळ्या
नियमितपणे दया
(as per doctor's
advise)



वर्षातून सहा
महिन्यातून
एकदा कृमीनाशक
जरुर दया
(as per doctor's
advise)

5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----



आधिक माहितीसाठी जवळच्या 'अपनी बात'
अपनों के साथ या हेल्प डेस्क ची मदत घ्या.

स्कैन करें



योग्य पर्याय निवडा:

नाव: वय: स्थळ:

1. ॲनिमिया ची लक्षणे काय?

- नियमितपणे थकवा वाटणे
- कामावर लक्ष केंद्रीत न होणे
- धाप लागणे
- वरील सर्व पर्याय योग्य आहेत

2. ॲनिमिया कसा बरा होऊ शकतो?

- डॉक्टरी सल्ल्याने
- आर्यन व डिटॅमीन सी असलेले जेवण खाल्याने
- आय.एफ ए च्या गोळ्या घेतल्याने
- वरील सर्व पर्याय योग्य आहेत

3. ॲनिमियाची
लक्षणे केवळ

- मुळीमध्येच आढळून
येतात का?
- हो
- नाही

ॲनिमिया म्हणजे काय ?

शरीरातील प्रत्येक पेशीला प्राणवायूची जरुरी असते व हे पोचविण्याचे काम हिमोग्लोबिन मुळे शक्य होते. जर शरीरात आर्यन चा अभाव असेल तर हिमोग्लोबिनचे योग्य प्रमाणात उत्पादन होत नाही. ॲनिमियाची दुसरी कारण म्हणजे व्हिटामिन बी-12, फॉलीक ॲसिड व जीवनसत्त्व अंकी कमतरता.

ॲनिमिया निवारण करणे का जरूरी आहे?

सर्वसाधारण जनतेला आपल्याला रक्तक्षय असेल याची कल्यानाच नसते, कारण या बद्दलचे ज्ञान आपल्याला नाही. आपण आपल्या दिनचर्येमध्ये इतके व्यस्त असतो कि थकवा येणे, गोष्टी विसरणे, कामात मन न लागणे हे नॉर्मल

वाटते. आर्यन च्या अभावाने आपल्या शारीरिक आणि मानसिक क्षमतेवर परीणाम होतो.

ॲनिमियावर जर उपचार केले नाहीत, तर बरयाचं काही समस्या उद्भव शकतात:

- प्रचंड थकव्यामुळे कुटलेच काम न करता येणे
- अकाली प्रसूती होणे
- हृदयाचे अनियमीत ठोके, हृदयाचा आकार वाढणे, हृदयविकारायचा झाटका येणे

ॲनिमियाची लक्षणे

- प्रचंड थकवा
- शारीरिक सामर्थ्यचा अभाव जाणवणे
- त्वचा पिवळी दिसणे
- अनियमित हृदयाचे ठोक
- डोकेदुःखी –किंवा चक्कर येणे
- हातपाय थंड पडणे
- जीभ फिकट दिसणे
- केसाचा रंग भुरा दिसणे
- छातीत दुखण
- भूक न लागण

**59% किशोरवयीन बालिका मध्ये (15-19 वर्ष)
आपल्याला ॲनिमियाचे प्रमाण अधिक आढळून येते.**
(NFHS-5)

